https://www.lnmuonline.com

2020 (New)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 70

D-724

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

The figures in the margin indicate full marks.

उपांत के अंक पूर्णांक के घोतक हैं।

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दें : 2×10=20

(क) 'साकेत' का प्रकाशन–वर्ष क्या है ?

(ख) 'यशोधरा' किनकी कृति है ?

(ग) 'कामायनी' में किस दर्शन की प्रमुखता है ?

https://www.lnmuonline.com

https://www.lnmuonline.com

(घ) 'राम की शक्तिपूजा' की प्रथम पंक्ति कौन–सी है ?

(ङ) 'संस्कृति के चार अध्याय' किनकी रचना है ?

(च) दिनकर जी को उनकी किस कृति पर 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' प्राप्त हुआ था ?

(छ) 'राम की शक्तिपूजा' का प्रकाशन–वर्ष क्या है ?

(ज) जयशंकर प्रसाद की पहली कविता किस उपनाम से प्रकाशित हुई थी ?

(झ) 'परिचय' कविता के कवि का नाम लिखें।

(ञ) 'मेरा धन है स्वाधीन कलम' शीर्षक कविता नेपाली जी की है या दिनकर जी की ?

https://www.lnmuonline.com

https://www.lnmuonline.com

2. निम्नलिखित उद्धरणों में से किन्हीं चार की व्याख्या करें : 5×4

(क) विकल जीवन व्यर्थ बहा, बहा,

सरस दो पद मीन हुए हहा !

कठिन है कविते, तब भूमि ही,

पर यहाँ श्रम भी सुख–सा रहा।

(ख) शक्ति के विद्युत्कण, जो व्यस्त

विकल बिखरे हैं, हो निरूपाय;

समन्वय उसका करे समस्त

विजयनी मानवता हो जाय!

(ग) है अमानिशा, उगलता गगन घन अंधकार

खो रहा दिशा का ज्ञान, स्तब्ध है पवनचार।

(घ) आई एक लहरबन आया, बहन नदी की धारा है!

संगम है, गंगा उमड़ी है, डूबा कूल–किनारा है!

https://www.lnmuonline.com

https://www.lnmuonline.com

(ङ) दृष्टि का जो पेय है, वह रक्त का भोजन नहीं है।

रूप की आराधना का मार्ग आलिंगन नहीं हैं।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दें : 10×3=30

(क) 'उर्वशी' के कामाध्यात्म पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'साकेत' के नवम सर्ग का काव्य–सौन्दर्य उद्घाटित कीजिए।

(ग) 'राम की शक्तिपूजा' के महाकाव्यात्मक स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'कामायनी' की श्रद्धा का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ङ) गोपाल सिंह नेपाली की कविताओं में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना का निरूपण कीजिए।

••••

https://www.lnmuonline.com